the work they are bound to leave Calcutta in any case. We have transferred only in such cases. Of the total number of 48, 36 do not have a lien at the Garden Reach headquarters. Five of the staff had volunteered to go to Bilaspur, and seven have been re-employed. This question does not arise at all.

Shri Priya Gupta: Have the staff been sent as per seniority or on the basis of pick-and-choose when the cadre comes in?

Shri S. V. Ramaswamy: That will be duly considered.

SHORT NOTICE QUESTION

दिल्ली में पानी की दरें बढ़ाना

S.N.Q. ११. श्री भक्त दर्शन : क्या स्वास्थ्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली नगर पालिका ने १ जून, १९६२ से पानी की दरों में बढ़ातरी करने का निश्चय किया है;

(ख) यदि हां, तो वर्तमान दरों में कहां तक बढ़ोतरी की जा रही है; और

(ग) इस बढ़ोतरी का क्या कारण है ?

Some Hon. Members: In English.

Shri Bhakt Darshan: Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a decision has been taken by New Delhi Municipal Committee to enhance the water rates with effect from 1st June, 1962;

(b) if so, the extent of increase being effected in the present rates; and

(c) the reasons for the increase?

The Deputy Minister in the Ministry of Health (Dr. D. S. Raju): (a) and (b). The New Delhi Municipal Committee has decided to enhance the rate of water supplied for domestic purposes from 50 nP. per thousand gallons to 75 nP per thousand gallons with effect from 1st June, 1962.

(c) The reasons for the increase are that the Bulk rate of water supplied by the Municipal Corporation of Delhi has been increasing every year and the cost of distribution and line losses have also gone up with the result that the Committee is sustaining heavy losses for the past several years.

श्री भक्त दर्शन: श्रीमन्, क्या माननीय मन्त्रिणी जी के ध्यान में यह बात आई है कि नई दिल्ली में अभी भी पानी की इस कदर कमी है जैसा कि मेरे एक मित्र ने अभी बतलाया था कि साउथ एवेन्यू में नल टूटते रहते हैं और ऊपर की मंजिल में पानी नहीं पहुंचता ? ऐसी दशा में क्या यह न्यायपूर्ण होगा कि जब तक उसमें सुधार न हो तब तक इसका रेट बढ़ा दिया जाय ?

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : श्रीमन्, पानी की मिकदार बढ़ाने का सवाल एक अलहिदा सवाल है और वह सवाल तो लिया नहीं जा रहा है । कई बार यहां पर इस का जवाब दिया जा चुका है । अब सावल यह है कि यह जो पानी की दर ८ आने या ५० नये पैसे पर तय हुई थी यह सन् १९४०–४१ में तय हुई थी । उस वक्त बल्कि सप्लाई का दाम १·९३ अनाज पर थाउजैंड गैलन था । आज ४४.८३ नया पैसा पर थाउजैंड गलन उस की दर है, करीब करीब ८ आना आज उसकी बल्कि सप्लाई की दर है । इस चीज को देखते हुए और उसके साथ ही साथ यह देखते हुए कि इस्टबलिशमेंट की कौस्ट भी बहुत बढ़ गयी है म्युनिसिपैलिटी को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है । जो दर म्युनिसिपैलिटी ने बढ़ायी है उससे कोई १०, १२ लाख रुपये की ज्यादा आमदनी होगी लेकिन घाटा सब का सब पूरा इससे भी नहीं होगा ।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, जैसा कि माननीय मन्त्रिणी जी ने स्वयं अपने उत्तर में स्वीकार किया है कि दर में इस बढ़ोतरी के बाद भी घाटा पूरा नहीं होगा, तब जबकि केन्द्रीय सरकार से उन्हें अनुदान लेना ही है तो क्यों

नहीं इस पर पुनर्विचार करने की कृपा की जाय ?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, लाखों लाख का घाटा पूरा करने की एक बात होती है और थोड़ा सा घाटा पूरा करने की दूसरी बात होती है । माननीय सदस्य जानते हैं कि एक अमुक धनराशि है जिससे कि इस हिन्दुस्तान की सभी जगह की जो वाटर सप्लाई स्कीम्स आयेंगी उनको अनुदान देना है । अब अगर यहां दिल्ली में ज्यादा दे दिया जायगा तो दूसरी जगह के लिये कम रह जायगा ।

Shri Ansar Harvani: Is it a fact that with the increase in water rates in Delhi, the pressure in the water pumps is decreasing?

Mr. Speaker: Shri Harish Chandra Mathur.

श्री हरिश्चन्द्र माथुर : मैं यह जानना चाहता हूं कि यह दरें इतनी कम क्यों बढ़ायी गयी हैं और ज्यादा क्यों नहीं बढ़ायी जा रही हैं जबकि कम्पेरेटिवली दूसरे शहरों में दिल्ली से पानी की बहुत ज्यादा दरें हैं ? कम रेट रख कर नई दिल्ली म्युनिसिपैलिटी नुकसान क्यों सफर कर रही है ?

अध्यक्ष महोदय : अब यह तो आप आगुंमेंट देने लग गये ।

श्री हरिश्चन्द्र माथुर : आखिर कोई रीजन्स तो होंगे । जब पानी की दर बढ़ाने के रीजन्स हैं तो यह दर कम क्यों बढ़ायी गयी है ? यह तो हम लोगों ने इनक्वायर किया, सपोर्ट किया । सब जगहों के मुकाबले में यहां दिल्ली जो कि कैपीटल है वाटर रेट कम है और इसको लेकर कम्प्लेंट्स की जा रही हैं कि यहां पानी की दर बहुत कम है । अब ऐसी तो कोई बात उठती नहीं है कि वाटर रेट कम होना चाहिए तो फिर यह रेट कम क्यों बढ़ाया गया है ?

डा० सुशीला नायर : माननीय सदस्यों को बहुत ज्यादा तकलीफ न हो इसलिये रेट जरा कम बढ़ाया गया है ।

श्री रामसेवक यादव : पानी की दरों के बढ़ जाने से नई दिल्ली के रहने वाले लोगों को अपने पानी के खर्चे को कम करना पड़ेगा और वह प्यासे भी मरें तो क्या मन्त्रिणी महोदया इस पर विचार करेंगी कि पानी का रेट न बढ़ाया जाय ?

Mr. Speaker: Shri Sham Lal Saraf.

Shri Sham Lal Saraf: The hon. Minister has admitted that complaints come from different quarters that the services rendered in respect of water supply are not adequate. Should it not be that first the services are rendered properly and then the rates raised?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, पानी के लिए जो सर्विसेज लगती हैं वह ट्रेंड टैकनीकल स्टाफ है । वाटर वर्क्स के स्टाफ वाले एजुकेटेड न हों यह नहीं हो सकता । वह तो हाईली टकनिकली ट्रेंड लोग हैं जो कि पानी तैयार करते हैं लेकिन जो पानी इस्तेमाल करने वाले लोग हैं वह एजुकेटेड हैं और अनएजुकेटेड भी हैं और बहुत सा पानी वेस्ट भी होता है । नल चलते रहते हैं और शायद माननीय सदस्यों के घरों में भी नल इस तौर पर चलते हों तो कोई आश्चर्य न होगा ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Transport of Goods by Roads

*1041. **Shri Bishwanath Roy:** Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) whether any scheme is under consideration of Government for starting transport of goods on the National Highways and on inter-State roads so that difficulties due to shortage of rail transport might be lessened; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of Transport and Communications (Shri Jagjivan Ram): (a) and (b). There is a mention in the Third Five Year Plan report, that in view of the great pressure on railway